

राजस्थान सरकार
राजस्थ ४ शुप्र-6 पिनांग

प्रैषितः— रामस्त निला क्षेक्षर,
राष्ट्रस्थान ।

प्रधानकः— प. ६११९१ राज-६/१२। ।।।

जयपुर, दिनांकः - ७-७-३९

परिपत्र

प्रियजनः - नियम प्राप्ति कर्त्तव्य ग्रंथे शुभ-आवंटनों रैं कार्यपादी करने वाला ।

राष्ट्रस्थान भू-राष्ट्रस्थ द्वीष प्रथोजनार्थी भू-आंदोलन नियम, 1970 के तहत भूमिकीन व्यक्तियों को द्वीष प्रथोजनार्थी भूमि आंदोलन का प्रावधान है। भूमिकीन व्यक्तियों को भूमि आंदोलन करने हेतु राज्य सरकार छारा सम्बन्ध समय पर प्रशासन गांतों की ओर, समस्या समाधान, जनराजीकीय निराकरण आदि जीवान चलाए जाकर इस कार्य में जगति जाहिं जाती है।

उपर्युक्त विधिवारी, आवेदन लेजाहकार समिति की रालोड ऐ मूलिकीन छानीदेखत्थों को मूलाधार परते हैं। ऐसक भी राज्य राजकार को फिर वै जापटनों के अधिक शिकायते प्राप्त होती रहती है।

अतः निषेधात्मकार लेख है कि भूमि आदंटन से पथग दृष्ट्या गति आदंटन की जानकारी प्राप्त होने वाधा लीखत प्रश्नायत प्राप्त होने पर भूमि आदंटन नियम, 1970 के नियम 14४५४ के अन्तर्गत स्वरूप विवेक है। अधवा उद्धास्थ लौधिकारियों से टिप्पणी/प्रस्ताव लेकर आदंटन द्वारन्त प्रभाव से निरस्त होने की कार्यवाही की जाए, साथ ही आदंटन साठकार सीमित भारा तक गये प्रस्ताव द्वी पालना द्वारन्त प्रभाव से रोका जाए ताकि गति आदंटन से क्षणा होने अधवा पद्धा होने की कार्यवाही पूर्ण न हो सके।

उपरोक्त वैष्णव अधिनस्त अधिकारियों सापेषत केरे रुद्र अनिवार्य
शास्त्रांच के मार्गालों में प्रवंगादा कार्यपादी द्विनीप्रथत केरे । ७

१३ शिव कुमार धर्मा
शासन उप सचिव

प्रारंभिकः— निदल्लभ, राजस्व रण्डल, अपरेर को सूचनार्थी रांग जापक्षक कार्डवाटी
हेतु प्रेषित है।

इति उपस्थितिः ३६